चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (FYUP)

बीएमडीजी 171: दिव्यांगता, समाज और संस्कृति

सत्रीय कार्य (2026-2027)

अंतरविषयक एवं पारविषयक अध्ययन विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली -110068

प्रिय विद्यार्थी,

इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है:

i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा।

अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक। यह 6 क्रेडिट के अंतःविषयक पाठ्यक्रम (IDC) BMDG-171: दिव्यांगता, समाज और संस्कृति के लिए शिक्षक द्वारा मूल्यांकित सत्रीय कार्य है।इस सत्रीय कार्य में तीन भाग हैं, जिनका कुल अंक 100 है और प्रत्येक भाग के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है। भाग-क में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQs) हैं। ये निबंध शैली के उत्तर लिखने के लिए हैं, जिनमें एक परिचय और एक निष्कर्ष शामिल है। इनका उद्देश्य विषय के बारे में आपकी समझ/ज्ञान को व्यवस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से वर्णित करने की आपकी क्षमता का परीक्षण करना है। भाग-ख में मध्य श्रेणी के प्रश्न (MCQs) हैं। इन प्रश्नों के लिए आपको पहले विषय का तर्कों और स्पष्टीकरणों के आधार पर विश्लेषण करना होगा और फिर संक्षिप्त रूप में उत्तर लिखना होगा। इनका उद्देश्य अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ, तुलना और भेद करने की आपकी क्षमता का परीक्षण करना है। भाग-ग में लघु श्रेणी प्रश्न (SCQs) हैं। इन प्रश्नों का उद्देश्य व्यक्तियों, लेखों, घटनाओं के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने या अवधारणाओं और प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ विकसित करने की आपकी क्षमता को बढ़ाना है।

सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए, कृपया अपने पूर्ण किए गए सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा तक अध्ययन केंद्र में जमा कीजिए।

आपको सत्रीय कार्य निम्नलिखित तिथियों तक अध्ययन केंद्र में जमा करने होंगे:

दिसंबर 2026 सत्रांत परीक्षा के लिए: 30 सितंबर 2026
जून 2027 सत्रांत परीक्षा के लिए: 31 मार्च 2027

कृपया ध्यान दें कि विश्वविद्यालय द्वारा जमा करने की अंतिम तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है। सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि के संबंध में अद्यतन जानकारी के लिए कृपया इग्नू वेबसाइट देखें।

कृपया जमा किए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद प्राप्त करें और उसे संभाल कर रखें। सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद सत्रीय कार्य आपको वापस कर देगा और अंक इग्नू, नई दिल्ली स्थित छात्र मूल्यांकन विभाग को भेज देगा।

दिशा-निर्देश

• **योजना:** सत्रीय कार्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें। जिन स्व-अध्ययन सामग्री पर ये आधारित हैं, उन्हें पढ़ें। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बिंदु बनाएं और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें।

• **संगठन:** सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर, तार्किक और सुसंगत हो; वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो; और अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

• **प्रस्तुति**: जब आप अपने उत्तरों से संतुष्ट हो जाएं, तो आप जमा करने के लिए अंतिम संस्करण लिख सकते हैं। प्रत्येक उत्तर को साफ-सुथरा लिखें और उन बिंदुओं को रेखांकित करें जिन पर आप जोर देना चाहते हैं।

कृपया प्रत्येक अनुभाग के सामने उल्लिखित शब्द सीमा का पालन करें।

शुभकामनाओं के साथ !

पाठ्यक्रम समन्वयक

दिसंबर 2026 और जून 2027 के लिए टीईई सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: बीएमडीजी 171
सत्रीय कार्य कोड: बीएमडीजी 171/एससटी /टीएमए /2026-27/

BMDG-171 'दिव्यांगता, समाज और संस्कृति'
अंत:विषयक पाठ्यक्रम (IDC)

नोट: प्रत्येक भाग के सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. भाग- क के प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक हैं।

2. भाग-ख के प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक हैं।

3. भाग- ग के प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक हैं।

भाग- क

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। (20x2=40)

1. दिव्यांगता को परिभाषित कीजिए। दिव्यांगता के संबंध में सामाजिक दृष्टिकोणों और रूढ़िवादी धारणाओं (स्टीरियोटाइप्स) पर चर्चा कीजिए।

2. शिक्षा के संबंध में दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा अनुभव की जाने वाली समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

भाग- ख

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (10x3=30)

3. सार्वभौमिक डिजाइन (Universal Design) क्या है? यह दिव्यांग व्यक्तियों की सहायता कैसे कर सकता है?

4. दिव्यांग महिलाओं और लड़कियों द्वारा अनुभव की जाने वाली प्रमुख समस्याएं क्या हैं?

5. बुजुर्ग दिव्यांगजनों को किन प्रमुख समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

भाग- ग

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिए। (6x5=30)

6. दिव्यांगता का धार्मिक मॉडल।

7. सहायक प्रौद्योगिकी (Assistive Technology)।

8. दिव्यांगजनों के जीवन पर गरीबी का प्रभाव।

9. दिव्यांगजनों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में बाधाएं।

10. दिव्यांगजनों की राजनीतिक भागीदारी।